जिज्ञासा पहल

वैज्ञानिक बनें : छात्रों हेतु एक दिवसीय कार्यशाला

सीएसआईआर-आईआईटीआर में 18 मई, 2017 को विभिन्न विद्यालयों के 8वीं से 12वीं कक्षा के छात्रों के लिए 'वैज्ञानिक बनें' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। 20 विद्यालयों के 130 से अधिक छात्रों ने इस कार्यशाला में भाग लिया। डॉ देवेंद्र परमार, मुख्य वैज्ञानिक ने सभा का स्वागत किया एवं विज्ञान आउटरीच के अंतर्गत स्कूल छात्रों हेतु सीएसआईआर जिज्ञासा कार्यक्रम के बारे में जानकारी प्रदान की। प्रोफेसर आलोक धावन, निदेशक, सीएसआईआर-आईआईटीआर ने छात्रों एवं वैज्ञानिकों को प्रेरणादायक एवं प्रोत्साहन विचारों के साथ संबोधित किया तथा विज्ञान के क्षेत्र में अपना कैरियर बनाने के लिए कहा एवं ट्रांस्लेशनल अनुसंधान करने के लिए सलाह दी, जिससे कि यह समाज के लिए लाभदायक हो। डॉ आर. पार्थसारथी, कार्यक्रम समन्वयक ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया एवं इसे प्रायोजित करने के लिए भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज इलाहाबाद एवं यू.पी. अकादमी ऑफ़ साइंसेज का आभार व्यक्त किया। संबंधित स्कूलों से शिक्षकों एवं छात्रों ने उन्नत इमेजिंग, कम्प्यूटेशनल विषविज्ञान-ट्रांसलेशनल, खाद्य विषाक्तता एवं आणविक जीवविज्ञान प्रयोगशालाओं का दौरा किया एवं वैज्ञानिकों तथा संस्थान के शोध छात्रों से बातचीत की।

उद्घाटन सत्र के दौरान प्रोफेसर आलोक धावन, निदेशक, सीएसआईआर-आईआईटीआर एवं डॉ आर. पार्थसारथी, वैज्ञानिक फेलो, सीएसआईआर-आईआईटीआर।

प्रोफेसर आलोक धावन, निदेशक, सीएसआईआर-आईआईटीआर छात्रों को संबोधित करते हुए।

छात्रों ने डीएनए आइसोलेशन, निर्माण एवं अणुओं एवं रसायनों को देखने, तेल में मिलावट/संदूषण का पता लगाने एवं इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी का प्रयोगिक अनुभव प्राप्त किया।

अध्यापकों के साथ छात्रगण।

छात्र उदीयमान् वैज्ञानिक के रूप में।

डॉ मोहन कामठान एवं डा. मनोज कुमार, सीएसआईआर-आईआईटीआर, छात्रों से बातचीत करते हुए।

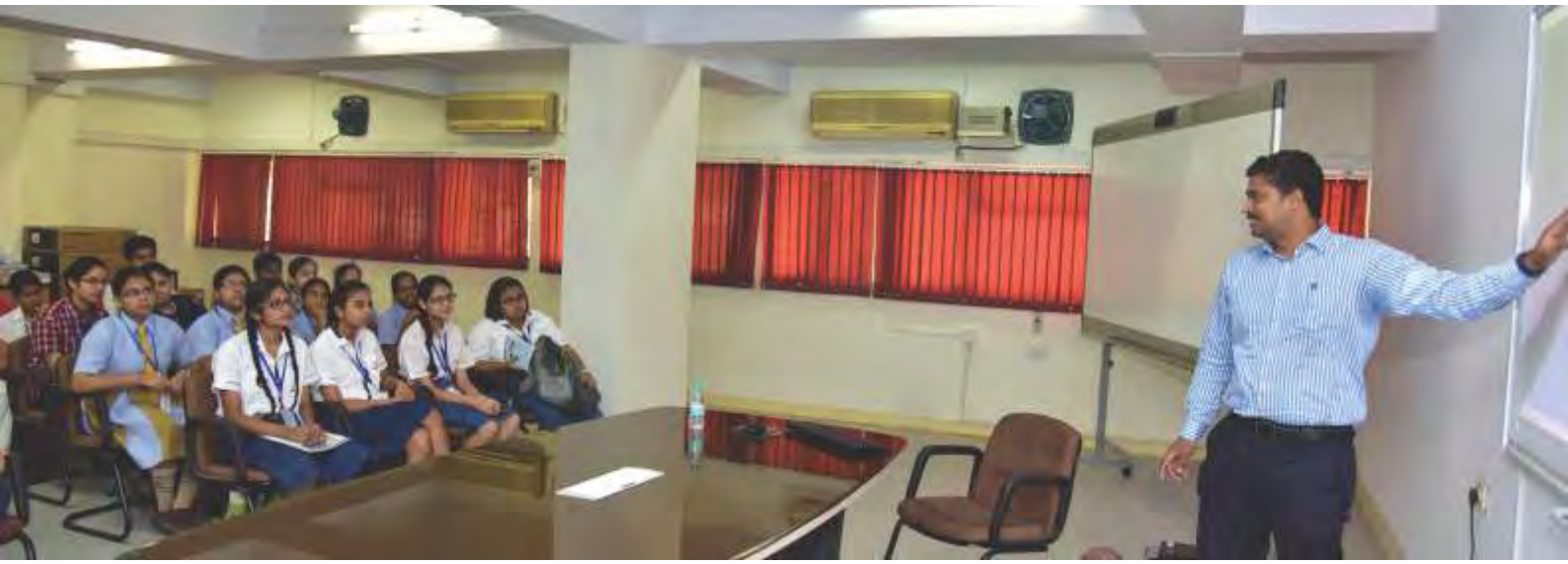

डॉ आर. पार्थसारथी का व्याख्यान सुनते हुए छात्रगण (सबसे ऊपर) एवं प्रयोगशाला में उपकरण प्रयोग का अभ्यास करते हुए छात्रगण (दाएं) तथा प्रोफेसर आलोक धावन व्याख्यान देते हुए।

गणमान्य वैज्ञानिकों के साथ छात्रगण।